भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2450
उत्तर देने की तारीख 03.08.2026

आंध्र प्रदेश में एनसीएफ के तहत परियोजनाएं

2450. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय संस्कृति कोष (एनसीएफ) के तहत आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के उदयगिरि स्थित पहाड़ी किले की पहुंच सीढ़ियों को हटाने और पुनर्स्थापित करने तथा उदयगिरि स्थित रंगनायकुल मंदिर के अंदर प्राचीन फर्श को हटाने और पुनर्स्थापित करने संबंधी दो परियोजनाओं की पहचान की है;

(ख) क्या उक्त परियोजनाओं को एनसीएफ के माध्यम से सीएसआर पहल के तहत शुरू किया जा रहा है;

(ग) उक्त दो परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निधि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा उपर्युक्त परियोजनाओं के लिए निधि जुटाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): राष्ट्रीय संस्कृति कोष (एनसीएफ) ने लगभग 250 विरासत संरक्षण परियोजनाओं की पहचान की है और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) तथा अन्य परोपकारी पहलों के तहत स्वैच्छिक अंशदान जुटाने के लिए उन्हें अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित किया है। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में (i) उदयगिरि के पहाड़ी किले की पहुंच सीढ़ियों को हटाने और पुनर्स्थापित करने तथा (ii) उदयगिरि के रंगनायकुल मंदिर के अंदर प्राचीन फर्श को हटाने और पुनर्स्थापित करने से संबंधित परियोजनाएं भी इनमें शामिल हैं।

(ख): इन परियोजनाओं को एनसीएफ की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है ताकि संभावित सीएसआर दाताओं और अन्य समाज सेवियों से सहायता प्राप्त करने में सुविधा हो। इनका कार्यान्वयन परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए संभावित दाताओं की हित और इच्छा पर निर्भर करता है। अब तक, किसी भी सीएसआर दाता ने इन दोनों परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की पुष्टि नहीं की है।

(ग): उक्त दोनों परियोजनाओं के निष्पादन के लिए अनुमानित लागत 7.25 करोड़ रुपए है। यद्यपि, दाता की आवश्यकताओं और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक परियोजना का अंतिम कार्यक्षेत्र और लागत भिन्न हो सकती है।

(घ): संसाधन जुटाने के लिए, एनसीएफ अपने पोर्टल पर परियोजना के विवरण दर्शाता है ताकि संभावित दाता स्थान, विरासत के महत्व, विषयगत रुचि और वित्तीय प्रतिबद्धता के स्तर के आधार पर परियोजनाओं की पहचान कर सकें। तथापि, एनसीएफ दाता की रुचि और इच्छा के अनुसार अन्य स्मारकों पर भी आवश्यक कार्यों के लिए दाताओं से सीएसआर अंशदान और दान स्वीकार करने के लिए तैयार है।

******